**आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर**

दिनांक : 22.05.2024 समय : 1905

**<><><><><><><><>**

- प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने कार्यात्मक एकीकृत थिएटर कमान के निर्माण के लिए संयुक्त और एकीकरण को आवश्यक बताया।
- उच्चतर शिक्षा विभाग ने आज शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार– दो हजार चौबीस के संबंध में नामांकन के लिए पोर्टल की शुरुआत की।
- दक्षिण–पश्चिम मानसून द्वीपसमूह के कुछ और भाग में सक्रिय हो गया है।
- विश्व आर्थिक मंच के यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक में भारत उनचालीसवें स्थान पर पहुंच गया है।
- मानव–मगरमच्छ संघर्ष को कम करने के लिए वन विभाग की दक्षिण अंडमान संभाग द्वारा कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

**<><><><><><><><>**

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि एकीकृत थिएटर कमान, सशस्त्र बलों को सैन्य तैयारियों और युद्ध क्षमता को सशक्त बनाएंगे। नई दिल्ली में कल एक समारोह को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने कार्यात्मक एकीकृत थिएटर कमान के निर्माण के लिए संयुक्त और एकीकरण को आवश्यक बताया। श्री चौहान ने कहा कि इस तरह के कमान के निर्माण से ऑपरेशनल कमांडर को सुरक्षा विषयों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का मौका मिलेगा।

**<><><><><><><><>**

उच्चतर शिक्षा विभाग के सचिव श्री संजय मूर्ति ने ए आई सी टी ई के अध्यक्ष श्री टी. जी. सीताराम के साथ आज शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार – दो हजार चौबीस के संबंध में नामांकन के लिए पोर्टल की शुरुआत की। इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग ने नामांकन करने के संबंध में दिशा–निर्देश भी जारी किए हैं। यह पुरस्कार तकनीकी और गैर–तकनीकी उच्चतर शिक्षा संस्थानों के अनुकरणीय शिक्षकों, संकाय सदस्यों और पॉलिटेक्निक संस्थानों के शिक्षकों को प्रदान किया जाएगा। इनमें

इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी, वास्तुकला, शुद्ध विज्ञान, जिनमें गणित, भौतिक विज्ञान, जैविक विज्ञान, रासायनिक विज्ञान, चिकित्सा व फार्मेसी शामिल हैं और कला व सामाजिक विज्ञान, मानविकी, भाषाएं, विधिक अध्ययन, वाणिज्य और प्रबंधन हैं। इस पुरस्कार के लिए नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि बीस जून, दो हजार चौबीस है। चयनित पुरस्कार विजेताओं को भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति और विख्यात शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में पांच सितंबर को सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले भारत के कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, उच्चतर शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक के सभी शिक्षकों के लिए है। इसके लिए नामांकित व्यक्ति को नियमित शिक्षक होना चाहिए, स्नातक या स्नातकोत्तर स्तर पर कम से कम पांच साल का पूर्णकालिक शिक्षण अनुभव होना चाहिए। पुरस्कारों के लिए आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि को नामांकित व्यक्ति की आयु पचपन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

कुलपति, निदेशक, प्रिंसिपल आवेदन करने के पात्र नहीं हैं। हालांकि, ऐसे व्यक्ति जो पहले ऐसे पदों पर रह चुके हैं, लेकिन पचपन वर्ष से कम उम्र के हैं और अभी भी सक्रिय सेवा में हैं, आवेदन करने के पात्र हैं। उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार– दो हजार चौबीस का उद्देश्य देश के कई बेहतरीन शिक्षकों के विशिष्ट योगदान को मान्यता देना और विशेष रूप से शिक्षण व शिक्षाशास्त्र में उनके समर्पण व कठिन परिश्रम और इनके प्रभाव, जिसके कारण न केवल उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हुआ बल्कि, अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध बनाया, के लिए उन्हें सम्मानित करना है।

<><><><><><><>

दक्षिण–पश्चिम मानसून द्वीपसमूह के कुछ और भाग में सक्रिय हो गया है। अगले दो दिनों के दौरान ये द्वीपों के बचे हुए भाग के अलावा अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी के पूर्वी–मध्य के कुछ भाग में सक्रिय हो जाएगा। दक्षिण–पश्चिम बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती परिसंचरन के प्रभाव के कारण दक्षिण–पश्चिम और बंगाल की खाड़ी के पश्चिमी मध्य के आस–पास के क्षेत्रों में हवा के कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। दक्षिण–पश्चिम मानूसन के प्रभाव के कारण द्वीपसमूह के अधिकांश भागों में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। अगले दो दिनों के मौसम संबंधी पूर्वानुमान में बताया गया है कि दक्षिण और मध्योत्तर अंडमान के एकाध भागों में भारी वर्षा हो सकती है। पच्चीस मई को भी मौसम की यही स्थिति रहेगी। इस दौरान तेज हवाएं चलेंगी। समुद्र काफी अशांत रहेगा। मछुआरों से कहा गया है कि वे छब्बीस मई तक समुद्र में न जाएं।

इस बीच, आज सुबह से ही पोर्ट ब्लेयर और दक्षिण अंडमान के विभिन्न भागों में भारी वर्षा हो रही है। पोर्ट ब्लेयर के कई भागों में जल जमावड़े के कारण लोगों को भारी असुविधा हुई। लम्बा लाईन जैसे क्षेत्रों में जल जमावड़े से वाहन चालकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ा। स्थानीय मौसम कार्यालय ने बताया कि आज शाम साढ़े पांच बजे तक पोर्ट ब्लेयर में एक सौ चवालीस मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। लांग आइलैंड में पन्द्रह, हटबे मे चौदह, ननकौड़ी में आठ, मायाबंदर में सात, कार निकोबार में चार और वायु सेना केन्द्र कार निकोबार में दो दशमलव छः मिलीमीटर वर्षा हुई।

<><><><><><><>

विश्व आर्थिक मंच के यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक में भारत उनचालीसवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि अमरीका इस सूची में शीर्ष स्थान पर है। दक्षिण एशिया की निम्न–मध्यम–आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में भारत सर्वोच्च स्थान पर है। इससे पहले दो हजार इक्कीस में प्रकाशित सूचकांक में भारत चौवनवें स्थान पर था।

<><><><><><><>

समाज कल्याण निदेशालय के तहत महिला हेल्पलाइन एक आठ एक के तहत नवनिर्मित महिला एवं बाल नियंत्रण कक्ष में महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक समानता पर वेबिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज कल्याण निदेशक नितिन शाक्या ने महिलाओं के अधिकारों की गारन्टी देने और उन्हें अपनी पूरी क्षमता तक पहुचंने का अवसर देने पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सशक्त महिलाएं और लड़कियां अपने परिवार, समुदाय व देश के विकास में भी योगदान देती है। इस अवसर पर महिला हेल्पलाईन प्रशासक सुषमा पांडे ने महिलाओं और बच्चों के टोल–फ्री नम्बर के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में पंचायती राज संस्थान के सदस्य, गैर सरकारी संगठन, ए. एन. एम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह और विभाग के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

<><><><><><><>

मानव–मगरमच्छ संघर्ष को कम करने के लिए वन विभाग की दक्षिण अंडमान संभाग द्वारा कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बिडनाबाद, जोड़ाकिलान, डिंगी घाट, मत्स्य अवतरण केन्द्र गुप्तापाड़ा, माईल तिलक, नमूनाघर, जिरकाटांग नम्बर दो, बर्मानाला जैसे क्षेत्रों में चलाए गए अभियान के दौरान स्थानीय निवासियों को मानव–मगरमच्छ संघर्ष से बचने के बारे में जानकारी और ऐहतियाती उपायों के बारे में बताया गया। ग्रामवासियों से कहा गया कि वे मांस–मछलियों के अवशेष नाला या खाड़ियों में न

डालें। जानवरों को भी इन क्षेत्रों में न जाने दें। बारिश के कारण नालों में जल जमावड़े की स्थिति में मगरमच्छ के गांव के नजदीक आने की संभावना बढ़ जाती है और इससे मानव–मगरमच्छ संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। आम जनता से ऐसे बाढ़ वाले क्षेत्रों से दूर रहने और पशुओं को नालों आदि के नजदीक चारागाह के लिए न छोड़ने का अनुरोध किया गया है।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान और मध्योत्तर अंडमान जिले में अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत दक्षिण अंडमान जिले मे अब तक दस हजार वर्ग मीटर से अधिक सरकारी जमीन को बाहरी कब्ज़े से मुक्त कराया गया। पोर्ट ब्लेयर के अलावा दक्षिण अंडमान के विभिन्न भागों में अभियान चलाकर राजस्व कर्मियों द्वारा अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं।

उधर, मध्योत्तर अंडमान जिले में मायाबंदर और डिगलीपुर तहसील में अभियान चलाकर कई हजार वर्ग मीटर क्षेत्र को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया गया।

<><><><><><><>

मायाबंदर के काली मंदिर में चोरी के मामले में पुलिस ने नयन बार नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उसके पास से चोरी की राशि भी बरामद कर ली गई है। मायाबंदर थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद थाना प्रभारी पी.के अब्दुल आरिफ के नेतृत्व में टीम ने जांच–पड़ताल की और संबंधित व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

<><><><><><><>